

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपसण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिरुली, शुक्र^{वा}र, ग्रप्रैल 22, 1977/बैशाख 2, 1899

No. 129]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 22, 1977/VAISAKHA 2, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्ज । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATIONS

Customs

New Delhi, the 22nd April 1977

GS.R. 190(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking, No 154-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely—

In the said notification-

- (a) for the word "aircraft", the word "aircrafts" shall be substituted,
- (b) for the words "as is equal to the quantity of the same type of duty-paid fuel taken out of India in the tanks of the aircrafts of the Indian airlines or as the case may be, of the Indian Air Force," the words "as is equal to the quantity of the same type of fuel which was taken out of India in the tanks of the aircrafts of the same airline or of the Indian Air Force as the case may be, and on which duty of customs or of central excise had been paid," shall be substituted;

- (c) for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely—
 "Provided that—
 - (i) the rate of duty of customs (including the additional duty leviable under the said section 3) or the rate of duty of central excise, as the case may be, leviable on such fuel is the same at the time of the arrivals and departures of such aircrafts; and
 - (ii) no drawback of duty of customs or rebate of duty of central excise, as the case may be, was allowed on such fuel at the time of departures of such aircrafts from India."

[No. 50/F. No 442/6/76-Cus IV]

राजस्य ग्रीर बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 22 मप्रैल, 1977

साक्तावित 190(प्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में श्रावश्यक है, भारत सरकार के राजस्व ग्रीर वैकिंग विभाग की ग्रिधिसूचना संव 154 सीमा-शुल्क, तारीख 2 ग्रगस्त, 1976 में निम्नलिखित मंशोधन करती है, प्रर्थात् :—

उक्त धिसूचना मे,---

- (町) * *
- (ख) "जितनी, यथास्थिति, इडियन एयरलाइन्स के या भारतीय वायु सेना के वायु-यानो के टैंकों में भारत से बाहर ले आए गए शुक्क सदत्त ईंधन की उसी प्रकार की मात्रा के बराबर हैं" शब्दों के स्थान पर "जितनी, यथास्थिति, उसी एयर-लाइन्स के या भारतीय वायु सेना के वायुयानों के टैंकों में भारत से बाहर ले जाए गए ईंधन की उसी किस्म की मात्रा के बराबर हैं" शब्द रखे जायेंगे;
- (ग) परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, भ्रथीत् "परम्तु यह तब जब,
 - (i) ऐसे ईंधन पर उद्ग्रहणीय, यथास्थिति, सीमा-शुल्क की दर (जिसके घन्तर्गत उक्त धारा 3 के मधीन उस पर उद्ग्रहणीय म्नतिरिक्त शुल्क भी है) या केन्द्रीय सरकार उत्पाद-शुल्क की दर ऐसे वायुयानों के भ्रागमन भ्रौर प्रस्थान के समय एक सी हो, भ्रौर
 - (ii) भारत से ऐसे वायुयानों के प्रस्थान के समय ऐसे ईंधन पर यथास्थिति सीमा-शुल्क की या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क पर रिबेट की कोई वापसी अनुज्ञात नहीं की गई हो।"।

[सं॰ 50/फा॰ सं॰ 442/6 76-सीमा-शुल्क- $IV_{\rm I}$

G.S.R. 191(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking, No 161-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely:—

In the said notification, for the words "no drawback was allowed", the words "no drawback of duty of customs or rebate of duty of central excise, as the case may be, was allowed" shall be substituted.

[No 51/F. No. 442/6/76-Cus. IV]
A K SARKAR, Under Secv

सा॰का॰िक 191(म्र) — केन्द्रीय सरकार, सीमा-गुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में ग्रावश्यक है, भारत सरकार के राजस्य ग्रीर वैंकिंग विभाग की ग्रिधिसूचना सं० 161 सीमा-शुल्क, तारीख 2 ग्रगस्त, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रायात:—

उक्त श्रधिसूचना मे, "कोई जुगी वापसी श्रनुज्ञात नहीं की गई हो" शक्दों के स्थान पर "यथास्थिति, सीमा शुल्क की या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क पर रिबेट की कोई वापसी श्रनुज्ञात न की गई हो" शब्द रखे जायेंगे ।

[स॰ 51 फा॰ म॰ 442 6 76 सी॰शु॰-TV]
ए० के॰ सरकार, श्रवर मचित्र।